KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

इतिहास

भाग - 2

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 8

किसान ज़मींदार और राज्य

भाग - 5

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

85% → गाँव
15% → शहर
40% → जंगल

जंगल और कबीले

बसे हुए गाँवों के परे

- ग्रामीण भारत में, बसे हुए लोगों की खेती के अलावा भी बहुत कुछ था।
- ज़मीन के विशाल हिस्से जंगल या झाड़ियों (खरबंदी) से घिरे थे।
- समसामयिक स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर ये अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि यह औसत करीब-करीब 40 फ़ीसदी था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इयत

जंगली

- समसामयिक रचनाएँ जंगल में रहने वालों के लिए जंगली शब्द का इस्तेमाल करती है।
- उन दिनों इस शब्द का इस्तेमाल ऐसे लोगों के लिए होता था जिनका गुज़ारा जंगल के उत्पादों, शिकार और स्थानांतरीय खेती से होता था।
- लगातार एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहना इन जंगलों में रहने वाले कबीलों की एक खासियत थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- हम बाबर की आत्मकथा बाबरनामा की ओर देखते हैं जो कहता है कि जंगल एक ऐसा रक्षाकवच था "जिसके पीछे परग़नो के लोग कड़े विद्रोही हो जाते थे और कर अदा करने से मुकर जाते थे।"

- परगना मुग़ल प्रांतों में एक प्रशासनिक प्रमंडल था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जंगल

1) 40%
2) विद्रोह → जंगल
3) जंगली = जंगल
   - सामाजिक
   - नार्यिक

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

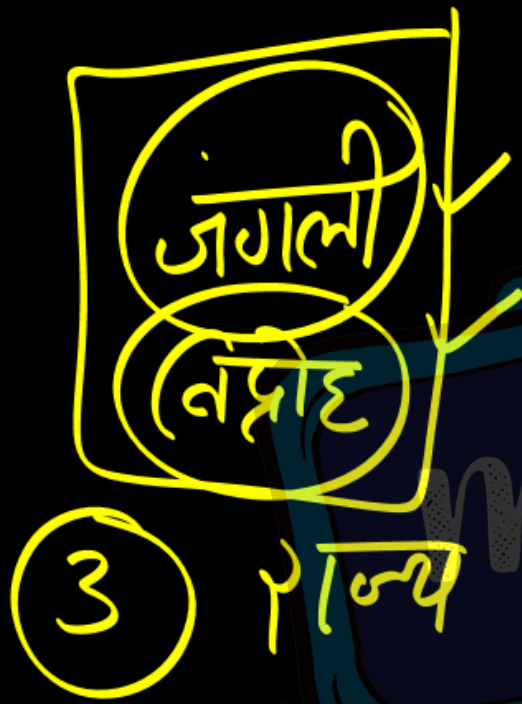

जंगलों में घुसपैठ

- जंगल में बाहरी ताकतें कई तरह से घुसती थीं,

1. हाथियों की जरूरत राज्य को सेना के लिए हाथियों की जरूरत होती थी। इसलिए, जंगलवासियों से ली जाने वाली पेशकश में अकसर हाथी भी शामिल होते थे।
2. शिकार अभियान दरबारी इतिहासकारों की मानें, तो शिकार अभियान के नाम पर बादशाह अपने विशाल साम्राज्य के कोने-कोने का दौरा करता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

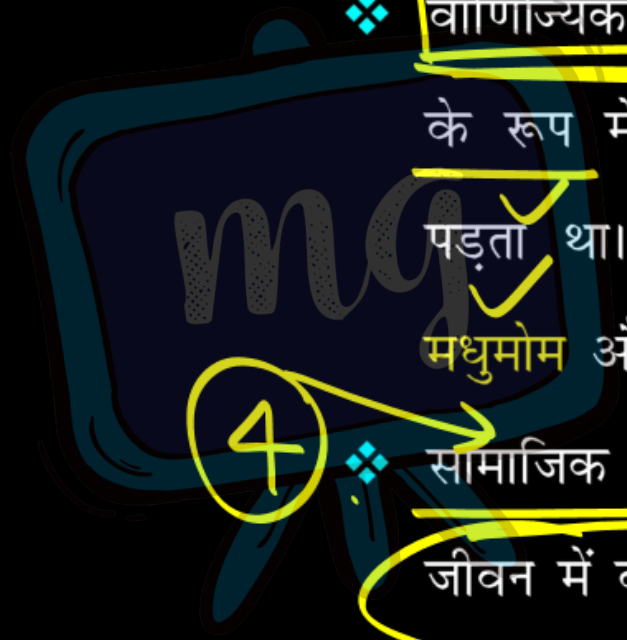

- वाणिज्यिक खेती का असर भी बाहरी कारक के रूप में, जंगलवासियों की ज़िंदगी पर पड़ता था। जंगल के उत्पाद—जैसे शहद, मधुमोम और लाक की बहुत माँग थी।

4

- सामाजिक कारणों से भी जंगलवासियों के जीवन में बदलाव आए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कबीलों के भी सरदार होते थे, बहुत कुछ ग्रामीण समुदाय के 'बड़े आदमियों' की तरह। कई कबीलों के सरदार ज़मींदार बन गए, कुछ तो राजा भी हो गये।
- ऐसे में उन्हें सेना खड़ी करने की ज़रूरत हुई। उन्होंने अपने ही खानदान के लोगों को सेना में भर्ती किया; या फिर अपने ही भाई-बंधुओं से सैन्य सेवा की माँग की।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

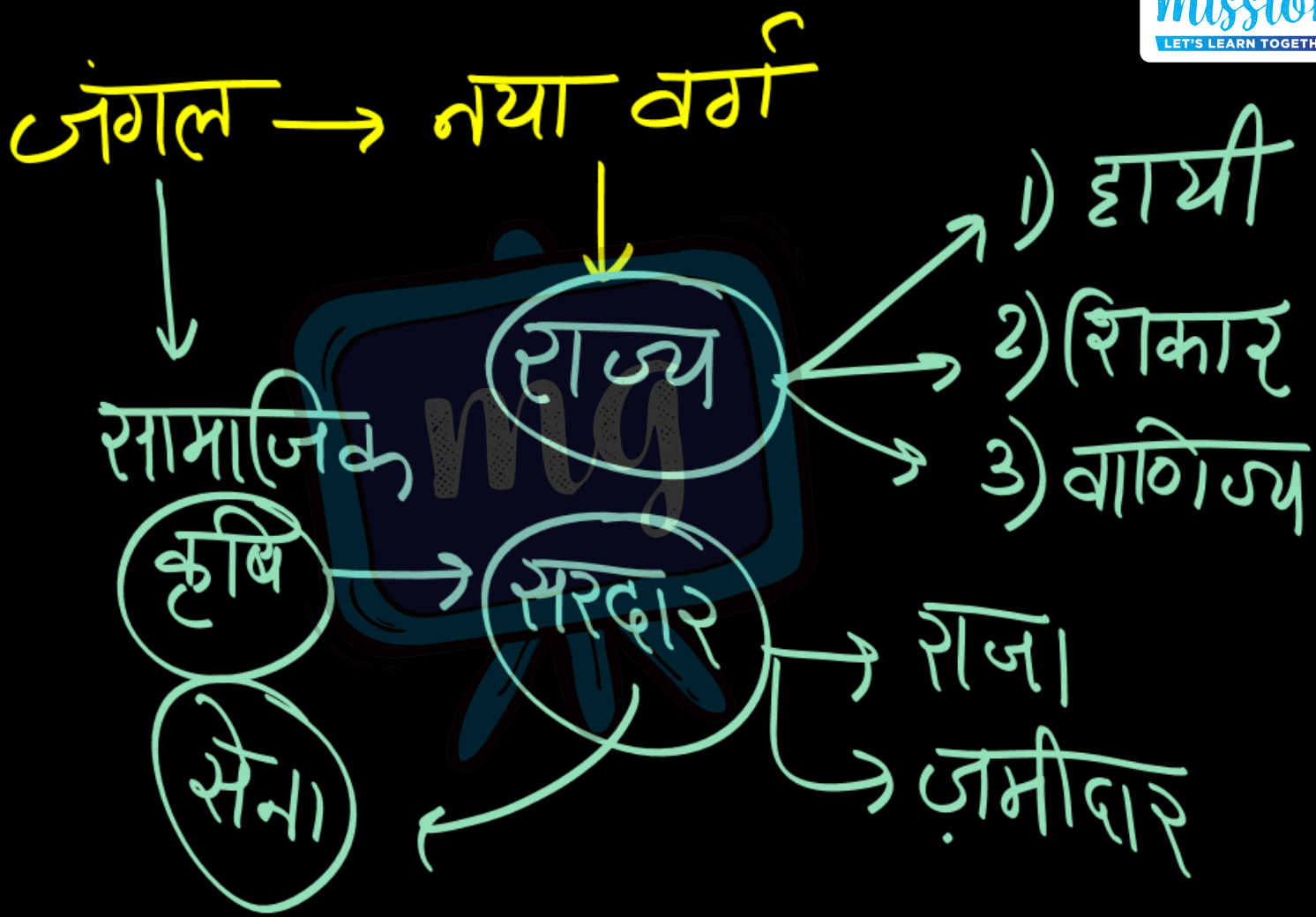

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

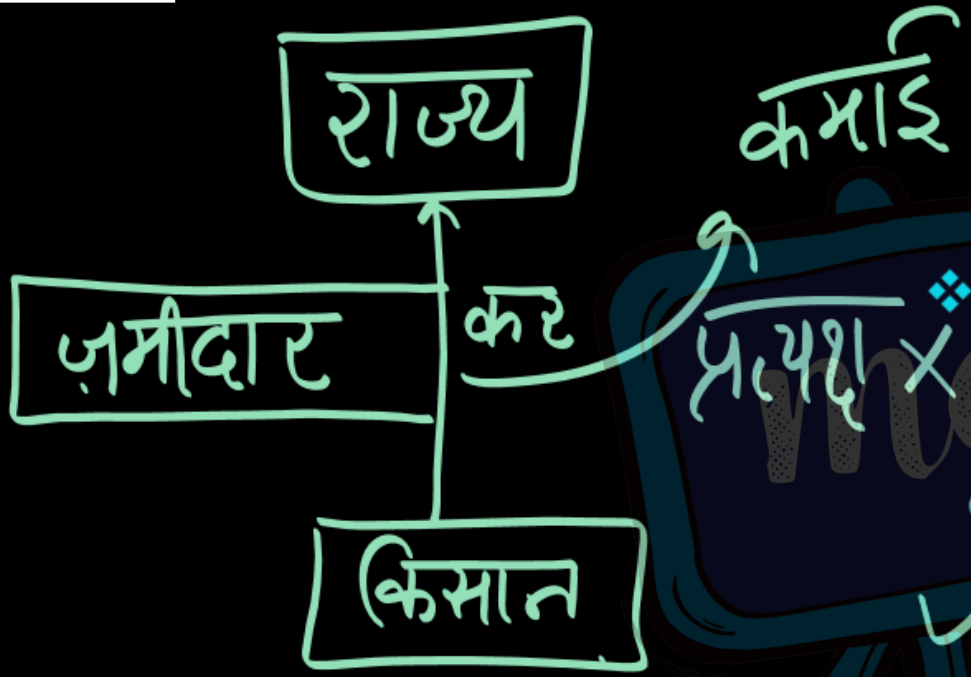

ज़मींदार

- मुग़ल भारत में कृषि संबंधों की हमारी दास्तान तब तक अधूरी रहेगी जब तक गाँवों में रहने वाले एक ऐसे तबके की बात न कर लें जिनकी कमाई तो खेती से आती थी लेकिन जो कृषि उत्पादन में सीधे हिस्सेदारी नहीं करते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- ये ज़मींदार थे जो अपनी ज़मीन के मालिक होते थे और जिन्हें ग्रामीण समाज में ऊँची हैसियत की वजह से कुछ खास सामाजिक और आर्थिक सुविधाएँ मिली हुई थीं। ज़मींदारों की बढ़ी हुई हैसियत के पीछे एक कारण जाति था।

दूसरा कारण यह था कि वे लोग राज्य को कुछ खास किस्म की सेवाएँ (ख़िदमत) देते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ज़मींदारों की समृद्धि की वजह थी उनकी विस्तृत व्यक्तिगत ज़मीन। इन्हें मिल्कियत कहते थे, यानी संपत्ति।
- अकसर इन ज़मीनों पर दिहाड़ी के मज़दूर या पराधीन मज़दूर काम करते थे।
- ज़मींदारों की ताकत इस बात से भी आती थी कि वे अकसर राज्य की ओर से कर वसूल कर सकते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके बदले उन्हें वित्तीय मुआवज़ा मिलता था। सैनिक संसाधन उनकी ताकत का एक और ज़रिया था।
- ज़्यादातर ज़मींदारों के पास अपने किले भी थे और अपनी सैनिक टुकड़ियाँ भी जिसमें घुड़सवारों, तोपखाने और पैदल सिपाहियों के जत्थे होते थे।
- समसामयिक दस्तावेज़ों से ऐसा लगता है कि जंग में जीत ज़मींदारों की उत्पत्ति का संभावित स्रोत रहा होगा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

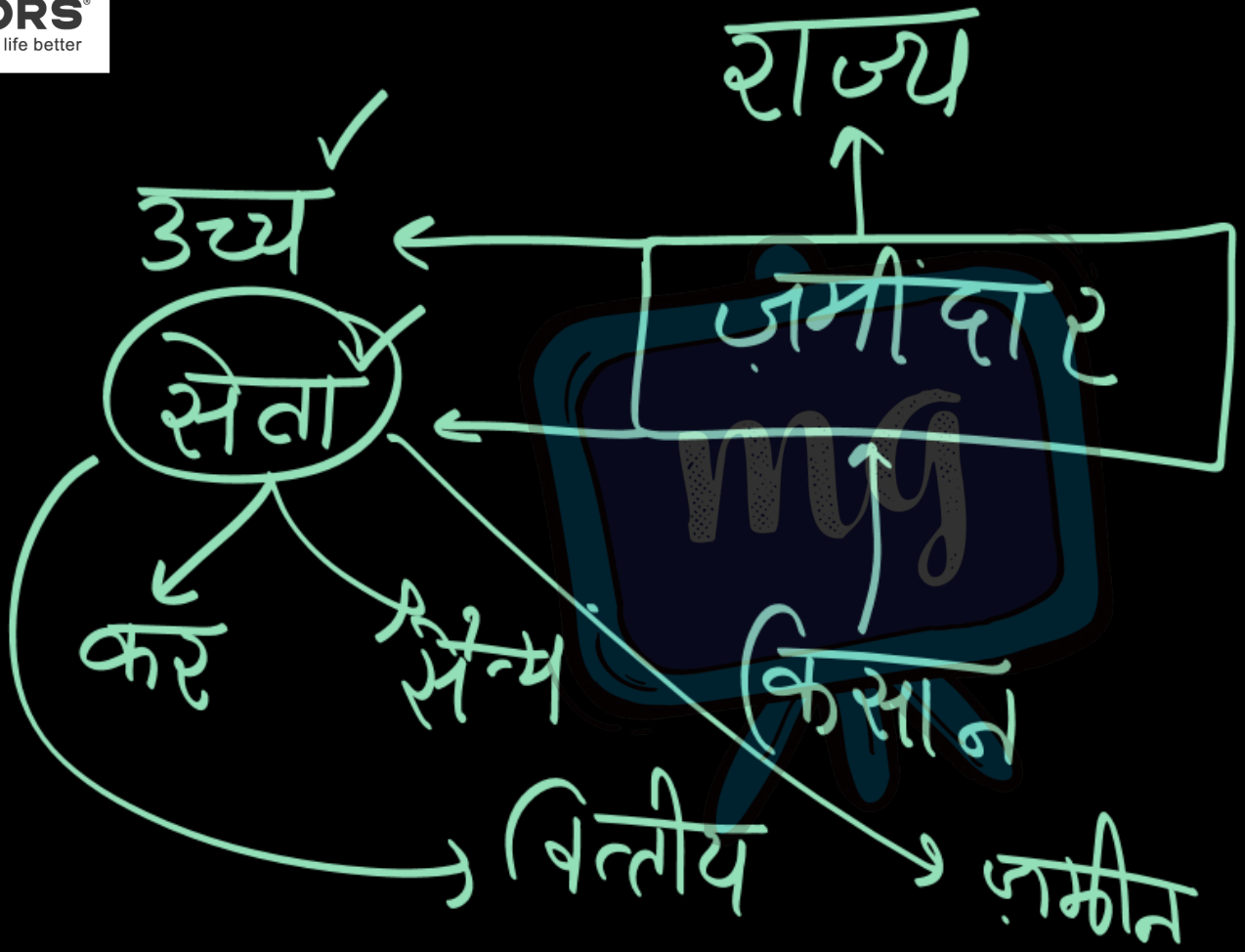

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इससे भी महत्त्वपूर्ण थी ज़मींदारी को पुख्ता करने की धीमी प्रक्रिया।
- ये कई तरीक़े से किया जा सकता था:
  1. नयी ज़मीनों को बसाकर (जंगल-बारी),
  2. अधिकारों के हस्तांतरण के ज़रिये,
  3. राज्य के आदेश से
  4. या फिर खरीद कर।
- कई कारणों ने मिलकर परिवार या वंश पर आधारित ज़मींदारियों को पुख्ता होने का मौका दिया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

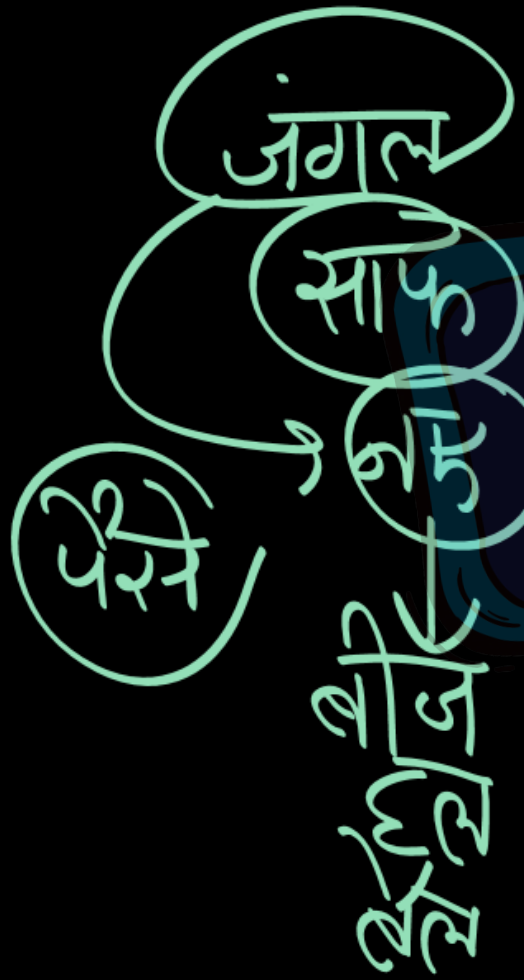

- ज़मींदारों ने खेती लायक ज़मीनों को बसाने में अगुआई की और रैयतों को खेती के साजो-सामान व उधार देकर उन्हें वहाँ बसने में भी मदद की।
- हालाँकि, इसमें कोई शक नहीं कि ज़मींदार शोषण करने वाला तबका था, लेकिन किसानों से उनके रिश्तों में पारस्परिकता, पैतृकवाद और संरक्षण का पुट था।

KOLORS® make life better

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

भक्ति
जाति X
ज़मीदार
② राज्य → विद्रोह
ज़मीदार # किसान

- दो पहलू इस बात की पुष्टि करते हैं।
- एक तो ये कि भक्ति संतों ने जहाँ बड़ी बेबाकी से जातिगत और दूसरी किस्मों के अत्याचारों की निंदा की, वहीं उन्होंने ज़मींदारों को किसानों के शोषक या उन पर अत्याचार करने वाले के रूप में नहीं दिखाया।
- दूसरे, सत्रहवीं सदी में भारी संख्या में कृषि विद्रोह हुए और उनमें राज्य के ख़िलाफ़ ज़मींदारों को अकसर किसानों का समर्थन मिला।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मध्यकालीन भारत में ज़मीदारों पर एक लेख लिखे?

Q. जमीदार अपनी जमीदारी को पुख्ता किस प्रकार करते थे?

Q. ज० और किसान के रिश्तो पर चर्चा करे?